रूपम कुमारी, वर्ग-अष्टम,विषय-हिन्दी

दिनांक-9/4/20 **विद्याभवन बालिका विद्यापीठ**

शिक्षण-सामग्री

भाषा

सुप्रभात ब**च्चों** ,

पिछली दो कक्षा से हम **भाषा की चर्चा कर रहे हैं** ..... **जिसमें भाषा की परिभाषा और मौखिक भाषा को हमने जाना ।**

अब आगे ,

लिखित भाषा -भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लिखित भाषा को माना जाता है।यह माध्यम लिपि आधारित होती है । यह माध्यम भाषा को कालजयी बनाती है ।जैसे -शताब्दी पूर्व लिखी गई कोई रचना ,अभिलेख लिखा हुआ होने के कारण सुरक्षित रहती है ।

अभी आपके और हमारे बीच लिखित भाषा के जरिए ही संवाद स्थापित हो रहा है।

सांकेतिक भाषा-भाषा का वह माध्यम जिसमें विचारों /भावों का आदान - प्रदान संकेत के द्वारा होता है ।इसे आंगिक भी कहते हैं ।

जैसे ऊँगली से इशारा करना , आँखों के जरिए अपने भाव प्रदर्शित करना ,रेलवे -क्रासिंग या रोड -क्रासिंग के दौरान बत्ती का जलना -बुझना भी सांकेतिक भाषा का उदाहरण है ।

भाषा का मूल आधार लिपि होती है ।इसलिए ,लिपि को समझना पड़ेगा ।

लिपि _लिपि का शाब्दिक अर्थ होता है ध्वनियों को चित्रित करना । लिपि को अगर समान रूप से समझना है तो इसे लेखन-प्रणाली कहा जा सकता है ।

अर्थात्, मुख से उच्चारित ध्वनियों को लिखित रूप देने के लिए जिन्होंने चिन्हों का प्रयोग किया जाता है ,उसे लिपि कहते हैं ।

हर भाषा की अपनी एक लिपि होती है ।हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है।

भारत में अनेक प्रकार की भाषा बोली जाती है ।यहाँ भारतीय भाषाओं की लिपि को सूचीबद्ध कर रही हूँ ।. ।. ।

क -गुप्त लिपि ख -सिंधु लिपि ग- ब्राह्मी लिपि घ -खरोष्ठी लिपि ड़ -शारदा लिपि च- देवनागरी लिपि छ -कलिंग लिपि ।

आज के लिए बस इतना ही ,शेष अगली कक्षा में ।

वर्ग -कार्य -दी गई शिक्षण-सामग्री को मनोयोग से पढ़े व समझने का प्रयास करते हुए C.W की कॉपी में उतारें ।

गृहकार्य **-भाषा के प्रकार का वर्णन करें । २- लिपि से आप क्या समझते हैं ?**

धन्यवाद !

अच्छी पुस्तकों के संग रहें । स्वाध्याय की आदत डालें ।🙇🙇🙇